बिहार विधान सभा

चतुर्दश सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

05 मार्च, 2025

[ग्रामीण विकास - ग्रामीण कार्य - पंचायती राज - लघु जल संसाधन - जल संसाधन - पथ निर्माण - भवन निर्माण - श्रम संसाधन].

कुल अल्पसूचित प्रश्न - 3

आर्सेनिक पदार्थों की रोकथाम

2. **श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह (आरा):**

लघु जल संसाधन :-

स्थानीय दैनिक समाचार पत्र में दिनांक- 24.12.2024 को प्रकाशित "पानी ही नहीं, अब धान , गेहूं और आलू में भी मिल रहा आर्सेनिक" शीर्षक को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे किः-

1. क्या यह बात सही है कि भूगर्भीय जल का आर्सेनिक सिंचाई के माध्यम से फसलों और उनके पैदावार द्वारा आमजनों तक पहुंच रहा है;

2. क्या यह बात सही है कि पीने योग्य पानी में 10 माइक्रोग्राम प्रति लीटर आर्सेनिक की मात्रा होनी चाहिए परन्तु सिंचाई द्वारा मानक से ज्यादा धान में 821, गेहूं में 775 और आलू में 1450 ग्राम आर्सेनिक की मात्रा होने से आमजन कैंसर रोग का शिकार हो रहे हैं;

3. यदि उपर्युक्त खंड़ों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो खाद्य एवं पेय पदार्थों में आर्सेनिक के रोकथाम हेतु सरकार की क्या कार्य योजना है ?

एन० एच० की बढ़ोतरी

3. **श्री अरूण शंकर प्रसाद (खजौली):**

पथ निर्माण :-

स्थानीय दैनिक समाचार पत्र में दिनांक 11.12.2024 को प्रकाशित "बिहार राजमार्ग मामले में राष्ट्रीय औसत से 46 सौ कि०मी० दूर" शीर्षक को ध्यान मे रखते हुये क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

1. क्या यह बात सही है कि सड़क एवं परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली की रिर्पोट के मुताविक देश में कुल एन०एच० की लंबाई एक लाख 46 हजार 145 कि०मी० है, जबकि बिहार में कुल 56 एन० एच० हैं जिनकी कुल लंबाई 6131.80 कि०मी० है जबकि महाराष्ट्र में कुल 102 एन०एच० है जिनकी लंबाई 18 हजार 459 कि०मी० , राजस्थान में 52 एन० एच० है जिसकी कुल लंबाई 10 हजार 706 कि०मी० तथा आँध्रप्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश में भी एन० एच० की लंबाई अधिक है;

2.क्या यह बात सही है कि वर्ष 2005 में देश के कुल एन०एच० में बिहार की भागीदारी 5.4 फीसदी थी, जो अब घटकर 4.04 फीसदी हो गयी है जबकि राष्ट्रीय औसत 6 फीसदी का है;

3.यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार राज्य में एन०एच० की संख्या एवं लंबाई में बढ़ोतरी कर राष्ट्रीय औसत के बराबर करने के लिए कौन सी उपाय करना चाहती है, नहीं तो क्यों ?

जल की शुद्धता

4. **श्री मुकेश कुमार यादव (बाजपट्टी):**

जल संसाधन

स्थानीय दैनिक समाचार पत्र में दिनांक 25.12.2024 को छपी खबर -"बिहार में 33 शहरों के किनारे गंगा का पानी नहाने लायक भी नहीं" शीर्षक को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के बक्सर जिले के चौसा में गंगा प्रवेश करती है तथा 445 किमी में नदी का प्रवाह है लेकिर बक्सर, आरा, पटना आते-आते नदी का पानी नहाने लायक नहीं रह जाता है| 33 स्थानों पर गंगा जल की जांच हुयी है, जिसमें टोटल कोलीफार्म (टीसी) जीवाणु की संख्या मानक से अधिक हो चुकी है, नियमतः 100 मिलीलीटर पानी में 500 से ज्यादा टोटल कोलीफार्म जीवाणु नहीं होने चाहिये जबकि गुलबी घाट में 100 एमएल पानी में टोटल 92000/जीवाणु पाया गया है जो काफी चिंताजनक है, यदि हां, तो सरकार गंगा जल की शुद्धता के लिए कौन सी कार्रवाई करने का विचार रखती है?